

9960

Name of the Course: **B.A. (Honours) Economics - Common Pool of DSE (NEP-UGCF)**
Semester: **III/V/VII**
Unique Paper Code: **2273102001**
Name of the Paper: **Economic History of India**
Duration: **3 hours**
Maximum Marks: **90**

Note: Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

Answer any five questions. All questions carry equal (18) marks.

1. "In spite of the fact that skill and knowledge possessed by the Indian artisans and merchants were far closer to those of their counterparts in Europe in the early nineteenth century, Indian artisans and merchants did not grow because of lack of state support." How far do you agree with this statement of Prasannan Parthasarathi? Discuss.
2. The decline in mortality rate in India between 1921 and 1951 cannot be explained simply in terms of the improvements in medical science and the development of transport and irrigation facilities. Comment. Do you agree with Sumit Guha's argument that climatic factors had an important role to play in it? Explain.
3. What role did ideology play in the formulation of the famine policy in British India? Do you think it was just ideology that constrained effective famine relief in the nineteenth century India? Give reasons in support of your answer.
4. Explain the reasons why India was the only country that did not witness an industrial transformation in spite of building a massive railway network between the mid-nineteenth and the early twentieth century.
5. Analyse the dynamics of Indian industrialisation in the interwar period (1914 – 1947). Point out how the different groups of entrepreneurs performed in this period. Was there a possibility of a breakthrough to industrial transition at the end of this period and if so, what could be the factors that prevented such a possibility?
6. Discuss the major issues in the land, labour, and credit markets in Indian agriculture in the colonial period.
7. "The colonial state's principal interest continued to lie in meeting the needs of military and expansion of overseas commerce with domestic Indian policies supplementing these goals to the detriment of opportunities for capital not just indigenous but British too." (David Washbrook). Critically analyse this statement.
8. Write Short Notes on **any two** of the following:
 - (a) Broadening the focus of the deindustrialisation debate in India
 - (b) The shifts in the triangular trade patterns of colonial India
 - (c) The European enterprises in India in the "high noon of Empire" (mid-19th Century to the First World War)

(d) India and the global trade in cotton textiles in the 17th and 18th centuries

नोट:

उत्तर अंग्रेज़ी या हिंदी—किसी एक ही माध्यम में लिखे जाएँ; पूरे प्रश्नपत्र में वही माध्यम प्रयुक्त होना चाहिए।

किसी भी पाँच प्रश्नों का उत्तर दें।

सभी प्रश्न समान (18) अंक के हैं।

1.

“उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में भारतीय शिल्पकारों और व्यापारियों के कौशल और ज्ञान यूरोप के उनके समकालीनों के काफी निकट थे, फिर भी राज्य के समर्थन की कमी के कारण भारतीय शिल्पकार और व्यापारी विकसित नहीं हो सके।” प्रसन्नन पार्थसारथी के इस कथन से आप किस हद तक सहमत हैं? चर्चा कीजिए।

2.

1921 से 1951 के बीच भारत में मृत्यु-दर में गिरावट को केवल चिकित्सा-विज्ञान की उन्नति, परिवहन या सिंचाई सुविधाओं के विकास से नहीं समझाया जा सकता।
टिप्पणी कीजिए। क्या आप सुमित गूहा के इस तर्क से सहमत हैं कि जलवायु कारकों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई? स्पष्ट कीजिए।

3.

ब्रिटिश भारत में अकाल-नीति (Famine Policy) के निर्माण में विचारधारा (Ideology) ने क्या भूमिका निभाई? क्या आपको लगता है कि उन्नीसवीं शताब्दी में अकाल-राहत के प्रभावी क्रियान्वयन में केवल विचारधारा ही बाधा थी? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए।

4.

उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य से बीसवीं शताब्दी के आरंभ तक भारत में विशाल रेलवे नेटवर्क के निर्माण के बावजूद, भारत अकेला देश क्यों था जहाँ औद्योगिक परिवर्तन (Industrial Transformation) नहीं हुआ? कारण स्पष्ट कीजिए।

5.

अंतरयुद्ध काल (1914-1947) में भारतीय औद्योगीकरण की गतिशीलता का विश्लेषण कीजिए। इस अवधि में विभिन्न उद्यमी समूहों का प्रदर्शन कैसा रहा? क्या इस अवधि के अंत तक औद्योगिक संक्रमण (Industrial Transition) के लिए कोई संभावित अवसर दिखाई देता था? यदि हाँ, तो कौन-से कारक ऐसी संभावना को रोकते थे?

6.

औपनिवेशिक काल में भारतीय कृषि में भूमि, श्रम और ऋण बाजारों (Land, Labour, Credit Markets) से संबंधित प्रमुख समस्याओं पर चर्चा कीजिए।

7.

“औपनिवेशिक राज्य की मुख्य रुचि सैन्य आवश्यकताओं को पूरा करने और विदेशी वाणिज्य के विस्तार में निहित रही, और घरेलू भारतीय नीतियाँ इन्हीं लक्ष्यों की पूरक बनी रहीं, जिससे पूँजी

के अवसरों—केवल स्वदेशी ही नहीं, ब्रिटिश पूँजी के लिए भी—नुकसान हुआ।” — डेविड वॉशब्रुक
इस कथन का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

8.

(क) निम्नलिखित में से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें:

- (a) भारत में विऔद्योगिकीकरण (Deindustrialisation) पर बहस के फोकस का विस्तारीकरण
- (b) औपनिवेशिक भारत के त्रिकोणीय व्यापार पैटर्न में हुए परिवर्तन
- (c) “हाई नून ऑफ़ एम्पायर” (उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य से प्रथम विश्व युद्ध तक) में भारत में यूरोपीय उद्यमों की स्थिति
- (d) 17वीं और 18वीं शताब्दी में भारत और वैश्विक कपास वस्त्र व्यापार

Formatted: Normal, Left, Space Before: Auto, After: Auto, No bullets or numbering

(1000)

Formatted: Font: (Default) Times New Roman, Ligatures: None